हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 23 फरवरी 2026

11 दो को प्रदर्शन कर राष्ट्रपति व राज्यपाल के नाम ज्ञापन...

12 सुविधाओं के बीच बेबसी मंडी में बंद पड़ा है महिला शौचालय

खबर संक्षेप

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों पर सख्ती

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के कड़े निर्देशों के तहत जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों व हुड़दंग करने वालों पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने विशेष अभियान चलाया है। इसी कड़ी में जिला पुलिस की विभिन्न टीमों ने देर सायं पार्कों, शराब के ठेकों के आसपास, बाजारों व अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर सघन पैदल गश्त की। इस गश्त का मुख्य उद्देश्य आमजन, विशेषकर महिलाओं व बच्चों के मन में सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करना तथा असामाजिक तत्वों पर नकेल कसना है।

हुडा सेक्टर में किया सुंदरकांड पाठ

नारनौल। संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन कमलेश सैनी अटेली वाले की ओर से राजेश अग्रवाल काश्मीर के निवास स्थान पर हुडा सेक्टर में किया गया। जिसके मुख्य यजमान राजेश अग्रवाल, उनकी पत्नी आशा अग्रवाल व परिवार रहा। इस अवसर पर श्रीराम दरबार को भव्य रंग बिरंगे फूलों व लाइटों से सजाया गया। पंडित क्रांति निर्मल ने मुख्य यजमान व परिवार सहित मंत्रोच्चार के बाद हनुमान जी की पवित्र ज्योति प्रज्वलित करवाई। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने पाठ को श्रद्धापूर्वक सुना। इसके उपरांत कमलेश सैनी ने गंगे मैया धीरे बहो, मेरे राम जी उतरेंगे पार व फागुन की धमाल श्रंग मत डारे रे सांवरिया आदि भजनों पर श्रद्धालु खूब झूमे। अंत में हनुमान जी की आरती कर प्रसाद वितिरत किया गया।

बाबा निहलाईनाथ का मेला व भंडारा 25 को

नारनौल। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी फाल्गुन की नवमी पर गांव नांगल काठा में बाबा निहलाईनाथ जी महाराज का भंडारा व मेला 25 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। इस दिन मंदिर में खीर–पूड़ी का प्रसाद वितरित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए धूणा के महंत चरणाईंनाथ जी महाराज ने बताया कि श्रद्धालु ग्रामीण नर-नारियों एवं युवाओं के सहयोग से हर साल यह भंडारा आयोजित किया जाता है और लोग अपने परिवार समेत मेले में भाग लेकर मंदिर में बाबा निहलाईनाथ के धूणे पर धौक लगाकर सुख–समृद्धि की मन्नतें मांगते हैं।

विधायक को 25 गांवों के किसानों का हस्ताक्षर युक्त पत्र सौंपा

सीएम को ज्ञापन भेजकर निजामपुर ब्लॉक में नहरों का निर्माण कराने की लगाई गुहार

- जिले का एकमात्र ब्लॉक नहरी पानी की सुविधा से वंचित
- भूजलस्रोत सूखने से किसानों को खेतीबाड़ी करना हुआ मुश्किल
- राजनीतिक भेदभाव के आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

नहरी पानी किसान संघर्ष समिति ने प्रधान महावीर चंदेला की अगुवाई में विधायक मंजू चौधरी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें निजामपुर ब्लॉक में नहरों की खुदाई व हिस्से का पानी मुहैया कराने की गुहार लगाई है। जिससे किसानों को फसल सिंचाई की सुविधा मिलेगी और भूजल रिचार्ज होने से पेयजल संकट से निजात मिलेगी। ज्ञापन के साथ 25 गांवों के किसानों के हस्ताक्षर युक्त मांग पत्र भी सौंपा गया है।

उन्होंने बताया कि महेंद्रगढ़ जिले को आठ ब्लॉकों में विभाजित किया गया है। जिनमें सात ब्लॉकों के अधिकांश गांवों को नहरों से अटेच कर दिया, केवल निजामपुर खंड की अनदेखी हो रही है। ब्लॉक के मात्र चार गांव नहरों से अटेच हैं, लेकिन टेल होने के कारण पानी की पर्याप्त सप्लाई नहीं मिलती।

परेशान ग्रामीणों ने 23 मार्च 2019 को तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल को ज्ञापन सौंपकर नहर निर्माण कराने की गुहार लगाई थी। उन्होंने दो महीने में एस्टिमेट तैयार कराने तथा बजट स्वीकृत करने का आश्वासन दिया था, लेकिन विभिन्न कारणों के चलते उनके ज्ञापन को रद्दी टोकरी में डाल दिया गया। जिस कारण खंड के गांवों में 2000 फुट तक भूजलस्रोत सूख गए तथा भीषण पेयजल संकट की स्थिति बनी हुई है। समाधान के लिए संघर्ष समिति ने उपायुक्त, तहसीलदार, बीडीपीओ की मार्फत सीएम को ज्ञापन सौंपा गया, लेकिन राजनीतिक अनदेखी के चलते नहर निर्माण की प्रक्रिया अटकी हुई है। पानी के आभाव में ग्रामीण जोहड़ सूखे हैं तथा वाटर टैंकों को पर्याप्त सप्लाई नहीं मिलती।

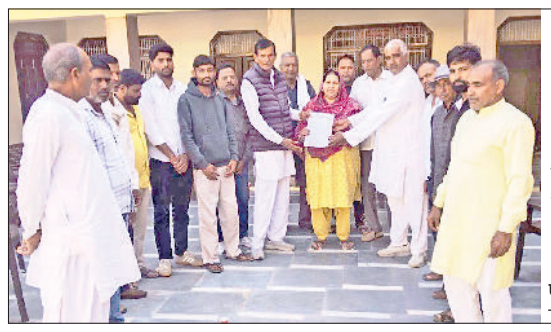

नांगल चौधरी। विधायक मंजू चौधरी को ज्ञापन सौंपती नहरी पानी किसान संघर्ष समिति। फोटो : हरिभूमि

प्रधान ने कहा कि निजामपुर ब्लॉक के ग्रामीणों की आजीविका खेतीबाड़ी पर निर्भर है, जोकि सिंचाई के आभाव में दम तोड़ने लगी है। समाधान के लिए विधायक मंजू चौधरी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर सदन को ब्लॉक की समस्या से अवगत कराने की गुहार लगाई है।

इस मौके पर कर्णसिंह, सवाई सिंह, मालाराम, कवर सिंह, मनीराम, बिक्रम सिंह, मूलाराम, रघुबीर पूर्व सरपंच, मुकेश मास्टर, सुरेश नंबरदार आदि मौजूद रहे।

खरीफ सीजन तक सिमटी किसानों की खेतीबाड़ी

किसानों ने बताया कि सिंचाई व्यवस्था के आभाव में रबी सीजन की फसल बुवाई करना मुश्किल हो गया। 70 फीसदी रकबा खाली रहता है, थोड़ी बारिश होने पर कुछ किसान बिजाई करते हैं, लेकिन सिंचाई के आभाव में फसल सूख जाती है। ऐसे में किसानों को दोहरे नुकसान का सामना करना पड़ता है। खरीफ सीजन में करीब तीन महीने बारिश होती है। जिससे बाजरा, ग्वार की फसलों को पानी मिलता है। किसानों ने खरीफ सीजन वाली फसलों को प्राथमिकता देनी आरंभ कर दी।

किसानों की समस्या गंभीर, सदन को करवाऊंगी अवगतः मंजू चौधरी

विधायक मंजू चौधरी ने बताया कि निजामपुर ब्लॉक में अभी तक नहरों का निर्माण नहीं हुआ है। भूजलस्रोत सूखने के कारण किसानों को खेतीबाड़ी करना मुश्किल हो गया। समाधान के लिए सदन की मार्फत सीएम को किसानों के जल संकट की समस्या से अवगत करवाऊंगी। उन्होंने बताया कि पिछले सदन में निजामपुर ब्लॉक की नहरी समस्या को उठाया गया था, लेकिन सरकार ने अभी तक कोई कार्रवाई शुरू नहीं की है।

सात साल से अटके सात मंजिला भवन निर्माण कार्य को दोबारा शुरू कराने की तैयारी

200 बैड के नागरिक अस्पताल भवन निर्माण को चार एजेंसियां आई आगे

वर्ष 2019 में शुरू हुआ यह बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट कोरोना महामारी, बेसमेंट में सीवर पानी भरने और ठेकेदार कंपनी के साथ वित्तीय विवादों के चलते बीच में ही अटक गया था

राजकुमार ⏭ नारनौल

जिले के लोगों एवं स्वास्थ्य विभाग के लिए राहत की खबर है। शहर में बन रहे 200 बैड के नागरिक अस्पताल के अधूरे भवन का निर्माण कार्य एकबार फिर शुरू होने जा रहा है। वर्ष 2019 में शुरू हुआ यह बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट कोरोना महामारी, बेसमेंट में सीवर पानी भरने और ठेकेदार कंपनी के साथ वित्तीय विवादों के चलते बीच में ही अटक गया था। अब लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की देखरेख में नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई है। टेंडर ओपन करने पर कंस्ट्रक्शन से जुड़ी चार एजेंसियां आगे आई हैं। इनकी टेक्नीकल जांच करने के बाद कार्य अलॉट किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि जिला नागरिक अस्पताल परिसर में 200 बैड का आधुनिक भवन बनाने की योजना वर्ष 2019 में शुरू हुई थी। शुरुआती दौर में निर्माण कार्य ने रफ्तार पकड़ी, लेकिन कुछ ही समय बाद कोरोना महामारी आ गई। लॉकडाउन और संसाधनों की कमी के कारण काम ठप हो गया। महामारी के बाद जब काम दोबारा शुरू हुआ तो बेसमेंट में सीवर का पानी भरने की समस्या सामने आई। इसके कारण निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर सवाल उठे और काम फिर से रुक गया। इसके बाद ठेकेदार कंपनी और विभाग के बीच भुगतान व अन्य शर्तों को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। अंततः पीडब्ल्यडी को पहले वाली कंपनी का टेंडर खारिज करने का निर्णय लेना पड़ा।

नारनौल। अधूरा पड़ा 200 बैड का सात मंजिला भवन। फोटो : हरिभूमि

स्वास्थ्य सुविधाओं पर पड़ रहा प्रतिकूल असर

अस्पताल का भवन निर्धारित दो साल (1900-20 से 2022-23 तक) में पूरा न होने का खामियाजा सीधे तौर पर आमजन को भुगतना पड़ा है। वर्तमान नागरिक अस्पताल सीमित संसाधनों में चल रहा है। भवन के अभाव में न तो पर्याप्त विशेषज्ञ डॉक्टर नियुक्त हो पा रहे हैं और न ही आधुनिक चिकित्सा उपकरण स्थापित किए जा सके हैं। कई गंभीर रोगों के मरीजों को रेफर कर बड़े शहरों में भेजना पड़ता है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि 200 बैड का भवन समय पर तैयार हो जाता तो जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का स्तर काफी बेहतर हो सकता था। विशेषकर गर्भवती महिलाओं, बुजुर्ग मरीजों और दुर्घटना पीड़ितों को बेहतर उपचार मिल पाता।

पहले का महज 24 प्रतिशत कार्य ही पूरा

200 बैड का अस्पताल भवन बनाने का कार्य शशांक गर्ग की गर्ग एंड गर्ग कंपनी को अलॉट हुआ था, जिसकी लागत लगभग 24.50 करोड़ रखी थी। इस कंपनी ने लिफ्टयुक्त सात मंजिला भवन का बेसमेंट समेत लगभग दो मंजिल यानि करीब 24 प्रतिशत कार्य किया हुआ है, जबकि शेष कार्य अधूरा ही है। पहले ठेकेदार का टेंडर रद्द होने के बाद अब बजट में 3.25 करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है। इसी के तहत अपग्रेडेशन कार्य का संशोधित अनुमानित बजट 27 करोड़ 73 लाख 40 हजार रुपये तय किया गया है।

यह कहते हैं अधिकारी

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार, सभी कंपनियों की तकनीकी पात्रता की विस्तृत जांच की जाएगी। जो कंपनी तकनीकी मानकों पर खरी उतरेगी और सबसे वाजिब दर पर कार्य करने का प्रस्ताव देगी, उसी को निर्माण कार्य सौंपा जाएगा। विभाग का कहना है कि इस बार निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी ताकि भविष्य में किसी प्रकार की बाधा न आए। अधिकारियों का यह भी दावा है कि निर्माण कार्य को तय समयसीमा में पूरा कराने के लिए सख्त शर्तें लागू की जाएंगी। गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

सीएम भी कर चुके समीक्षा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गत 3 सितंबर 2025 को जिला प्रशासन के साथ ऑनलाइन समीक्षा बैठक में इस परियोजना की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की थी। अधिकारियों ने बताया कि पुराना टेंडर रद्द कर दिया गया है और नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसी के तहत अपग्रेडेशन कार्य का संशोधित बजट 27 करोड़ 73 लाख 40 हजार रुपये तय किया गया है। इस भवन में बेसमेंट के अलावा 7 मंजिला भवन बनाया जाएगा, लिफ्ट की सुविधा भी होगी। समयावधि लगभग दो साल लगेंगे। इसका कुल कवर एरिया 1.61 लाख स्केयर फिट होगा।

पहली कॉल पर नहीं आई थी कोई एजेंसी

कमाल की बात है कि पुरानी एजेंसी का टेंडर रद्द होने के बाद जब नवंबर-दिसंबर 2025 में पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा नया टेंडर कॉल किया गया तो किसी कंस्ट्रक्शन कार्य से जुड़ी एजेंसी या कंपनी ने इस अस्पताल के 200 बैड के अधूरे भवन को पूरा करने में रुचि नहीं दिखाई थी और टेंडर में भाग नहीं लिया था। इस कारण पीडब्ल्यूडी को कुछ समय बाद पुनः टेंडर कॉल करने पड़े हैं, लेकिन सूत्र बताते हैं कि अबकी बार टेंडर में चार कंपनियां हिस्सा ले रही हैं, जिनमें गौरी बिल्डकॉन, दीपक, सुनील एवं एक अन्य ठेकेदार की कंपनी शामिल है। सूत्र बताते हैं कि टेंडर में इनके हिस्सा लेने उपरांत इनकी टेक्नीकल एवं अन्य आवश्यक जांच होनी हैं, उसके बाद एक कंपनी को टेंडर अलॉट कर दिया जाएगा।

चोरों ने सुरानी में लाखों के आभूषण किए चोरी

पुलिस ने केस दर्ज कर अज्ञात आरोपितों की तलाश शुरू की

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

गांव सुरानी में दिनदहाड़े चोरी की वारदात सामने आई है। चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये के सोने के आभूषण चोरी कर लिए। सूचना मिलने पर थाना सदर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। गांव सुरानी निवासी किरोड़ीमल यादव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 21 फरवरी सुबह वह अपनी पत्नी संतोष देवी के साथ अपने मकान का ताला लगाकर पास ही स्थित दूसरे प्लाट पर चले गए थे।

दोपहर करीब 12:15 बजे जब दोनों वापस घर लौटे तो देखा कि मकान का मुख्य ताला टूटा हुआ पड़ा था। अंदर जाकर सामान की जांच की तो अलमारी से सोने के आभूषण गायब मिले। वहीं सारा सामान भी बिखरा हुआ था। शिकायतकर्ता के अनुसार तीन सोने की चेन, चार सोने की चूड़ियां, दो मंगलसूत्र, दो कंठी, छह जोड़ी टॉप्स, दो झुमकी, नौ सोने की अंगूठियां व चार सोने की लोंग शामिल हैं। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। एएसआई अजीत सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर थाना सदर में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सड़क हादसे में 20 वर्षीय युवक की जान गई

राजस्थान के बहरोड़ में एक निजी अस्पताल का कर्मचारी था युवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सड़क हादसे में एक 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक राजस्थान के बहरोड़ में एक निजी अस्पताल का कर्मचारी था। वह नारनौल में शादी में शामिल होने के लिए आया था। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

राजस्थान के अलवर जिला के हमजापुर का रहने वाला राहुल क्षेत्र में शादी समारोह में शामिल होने के लिए इको कार में सवार होकर आया था। उसके साथ दो अन्य दोस्त भी थे। शादी समारोह से वापस जाते समय इको कार की अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। मृतक राहुल के जीजा वरुण ने बताया कि राहुल कंडेक्टर की साइड बैठा हुआ था।

इसी साइड टक्कर लगी थी। जिसके कारण राहुल बुरी तरह घायल हो गया, जबकि उसके दोनों अन्य दोस्त हादसे में बाल बाल बच गए। घायल राहुल को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां पर डाक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि राहुल ने बीए पास किया हुआ था तथा उसकी करीब एक साल पहले ही शादी हुई थी। जिसकी दो माह की एक बेटी भी है।

राहुल गांधी देश के अपमान का कोई भी अवसर नहीं छोड़ते

पीएम की लोकप्रियता का लोहा सब देशों ने मानाः प्रो. शर्मा

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर विदेशों में भारत के खिलाफ बयान देने का आरोप लगाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर विदेशों में भारत के खिलाफ बयान देने का आरोप लगाया है। जारी बयान में प्रो. शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी देश के अपमान का कोई भी अवसर नहीं छोड़ते। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के विदेश दौरों के दौरान दिए गए बयानों से देश की छवि को नुकसान पहुंचा है। शर्मा ने आरोप लगाया कि अमेरिका में आयोजित एक कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे मंच से हुआ, जिसका संचालन भारत में प्रतिबंधित एक संगठन से जुड़े लोगों द्वारा किया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि लंदन स्थित में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान जब राहुल गांधी ने भारत के खिलाफ टिप्पणी की, तो वहां मौजूद कुछ भारतीय छात्रों ने विरोध स्वरूप नारेबाजी की। प्रो. शर्मा ने कहा कि देश की 140 करोड़ जनता ने कांग्रेस को विपक्ष में बैठने का जनादेश दिया है और लोकतंत्र में सरकार के निर्णयों का विरोध करना विपक्ष का नैतिक दायित्व होता है, लेकिन जब बात देशहित की हो तो विपक्ष को भी सत्ता पक्ष के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए।

अरविंद यादव का सम्मान गौरव की बातः मेजर इशा

महेंद्रगढ़। गांव माजरा खुर्द से संबंध रखने वाली सेवानिवृत्त मेजर इशा यादव ने एक मार्च को नारनौल स्थित गौड़ ब्राह्मण सभा में आयोजित होली मिलन समारोह के दौरान मेजर जनरल अरविंद यादव के नागरिक अभिनंदन की सराहना की है। महेंद्रगढ़ जिले के नीरपुर निवासी स्वर्गीय डॉ. जेएस यादव के पुत्र मेजर जनरल अरविंद यादव को भारतीय सेना में उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति द्वारा विशेष सेवा मेडल से सम्मानित किया जा चुका है। इसी उपलब्धि पर गौड़ ब्राह्मण सभा नारनौल द्वारा उनका सम्मान किया जाएगा। मेजर इशा यादव ने कहा कि सेना में मेजर जनरल के पद तक पहुंचना वर्षों की कठिन मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम होता है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी सेना में मेजर के पद पर सेवाएं दे चुकी हैं और उनके पति भी कर्नल रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक सैनिक के भीतर देश के प्रति अटूट साहस, समर्पण, नेतृत्व क्षमता और कर्तव्यनिष्ठा का भाव होना आवश्यक है।

श्रीसनातन धर्म सभा व एसडी एज्युकेशन बोर्ड के त्रिवार्षिक चुनाव निर्विरोध संपन्न

धर्मचन्द छाबड़ा बने श्री सनातन धर्म सभा के प्रधान

बेगराज गोयल चुने गए एसडी एज्युकेशन बोर्ड के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

श्री सनातन धर्म सभा एवं श्री एसडी एज्युकेशन बोर्ड के त्रिवार्षिक चुनाव सत्र 2026-2029 के लिए चुनावी प्रक्रिया एमएएसडी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल निजामपुर रोड प्रांगण में संपन्न हुई। चुनावी प्रक्रिया के तहत 12 फरवरी को नामांकन पत्र वापस लेने का अन्तिम दिन था। वहीं सभा एवं बोर्ड चुनाव के लिए सात से नौ फरवरी तक दोनों संस्थाओं के कुल 33 नामांकन पत्र भरे गए थे। जिसमें श्री सनातन धर्म सभा के कुल 13 पदों के लिए 16 नामांकन पत्र व श्री एसडी एज्युकेशन बोर्ड के 15 पदों के लिए 17 नामांकन पत्र भरे गए थे। इनमें से सभा के लिए तीन उम्मीदवारों व बोर्ड के भी दो उम्मीदवारों ने अपना-अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया था। इस स्थिति प्रत्येक पद पर एक-एक ही उम्मीदवार शेष रह गए थे। इसलिए चुनाव चिह्न आवंटन व गुप्त मतदान से चुनाव करवाने की आवश्यकता नहीं थी।

इस प्रकार 22 फरवरी को श्री सनातन धर्म सभा एवं श्री एसडी एज्युकेशन बोर्ड के त्रिवार्षिक चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हो गए। जिनमें श्री सनातन धर्म सभा में प्रधान पद के लिए धर्मचन्द छाबड़ा, उपप्रधान पद के लिए बजरंग लाल गुप्ता, महासचिव पद के लिए दीपक गुप्ता, सचिव पद के लिए आनन्द प्रकाश गुप्ता, कोषाध्यक्ष पद के लिए बनवारीलाल सैनी, स्टोर कीपर पद के लिए ओमप्रकाश गुप्ता, सदस्य पदों के लिए पन्नालाल मित्तल, कृपाशंकर शर्मा, संजय गर्ग, जयपाल सिंह यादव, इंद्रलाल, दयानन्द यादव, अतेंद्र यादव निर्विरोध चुने गए।

नारनौल। नवनिर्वाचित सभा पदाधिकारी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

वही श्री एसडी एज्युकेशन बोर्ड में प्रधान पद के लिए बेगराज गोयल, उपप्रधान पद के लिए मदन मोहन संघी, प्रबंधक पद के लिए केदारनाथ गर्ग, सचिव पद के लिए सतीश कुमार गर्ग, सह-सचिव पद के लिए अभिषेक गर्ग, कोषाध्यक्ष पद के लिए सुशील अग्रवाल, सदस्य पदों के लिए नरेश गर्ग, भगवान दास जैन, राजबीर यादव, गजेन्द्र यादव नम्बरदार, राधेमोहन नूनीवाल, रोहताश अग्रवाल, गोपाल मित्तल, संजय सिंघल, हरीष सिंघल निर्विरोध चुने गए। चुनावी प्रक्रिया के अनुसार सभी प्रत्याशियों को सत्र 2026-2029 के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित गया गया।

किसी भी मनुष्य की इच्छाशक्ति अगर उसके साथ हो तो वह कोई भी काम बड़े आसानी से कर सकता है । इच्छाशक्ति और दृढ़संकल्प मनुष्य को रंक से राजा बना देती है।

– महर्षि वाल्मीकि

जोगिंदर ने अंगोछे से मुंह पोंछा और तंबाकू की पीक निगलता हुआ बोला, "बाबूजी ने बहुत बड़ा फ़ार्म हाउस बनवाया है। अब अगले महीने वहीं काम करना है। बाबूजी ने यह भी बोला है, काम अच्छी तरह से किया, तो यहीं पर परमानेंट कर देंगे। छह महीने बाद पगार भी बढ़ा देंगे और रहने को पक्की छत वाला एक कमरा भी बनवा देंगे।"

कहानी

विकेश निझावन

तितलियां

जोगिंदर देर रात तक सामान बटोरता रहा। कस्सी, खुरपा, दराती और बड़ी वाली कैंची। यह सब तो ठीक, लेकिन किसी और औज़ार की ज़रूरत भी तो पड़ सकती है, जोगिंदर मन ही मन बुदबुदाया। अब इतना भी क्या सोचना। बाबू वहां होगा, उनसे कह देगा। जोगिंदर ने यह बात माया के आगे भी दोहरा दी तो माया खीजती-सी बोली, "तेरे को ये सब भी ले जाने की क्या ज़रूरत। नई जगह है, बाबू अपने-आप नया सामान दिला देंगे।"

"अरी, कैसी बात करती हैं। यह सामान भी तो बाबूजी ने ही दिलाया था। अब हर दिन बाबूजी पैसे ख़र्च करते रहेंगे। जब कोई चीज़ टूट जाएगी, तब कह देंगे उनसे। दीवार की खूंटी से अपनी बनियान उतारता जोगिंदर बोला, "पैसा अपना हो या दूसरे का, इस तरह बर्बाद ना करने का मैं।"

"बस रे हरिश्चंद्र की औलाद। तेरी इसी बुद्धि करके तो मुझे भी नरक-सी जिंदगी जीनी पड़ रही है। पिछले माह देखा, क्या हाल रहा अपना। पूरा दिन नाले की सफ़ाई करते-करते, बदन कोढ़ मारने लगा था। मच्छर, कीड़े मेरी बाजू के ऊपर तक चढ़े आते थे। सूरज को चुन्नी में लपेट पेड़ के नीचे सुला आती थी। यूं कह ले, पेड़ ने ही उसकी रक्षा की।" माया पलभर को रुकी, फिर लंबी सांस भरती बोली, "अब तो पाली दसवीं पास कर ले, उसे कहीं किसी दफ्तर में लगवा दो।"

"किसी दफ्तर में! अफ़सरी करेगा क्या?"

"नहीं जी, अफ़सरी तो नहीं कह रही मैं। चपरासीगीरी तो कर ही लेगा।"

जोगिंदर ने ठंडी सांस भरी, फिर बोला, "तेरी बात तो ठीक है री, परंतु मैं कुछ और सोचूं।"

"तो अब तू क्या सोचे?"माया उतावली-सी होती बोली।

"मैं सोच रहा हूं, अगर वह दस पास कर सकता है, तो बारह भी पास कर लेगा। और बारह पास को तो सरकारी नौकरी भी मिल जाए।"

"सरकारी नौकरी! हम जैसों को सरकारी नौकरी कौन देगा। अपनी तो कोई न जान-पहचान, न कोई सिफ़ारिश।"

"अरी, अभी दो साल हैं ना! बाबूजी से कहेंगे, वह पहुंच वाले आदमी हैं, और फिर किस्मत पलटते देर ना लगे। अब अपना ही देख ले, कल तक नाले की साफ़-सफ़ाई कर रहे थे, अब कल से बाग़-बग़ीचे की रखवाली करेंगे। मैं तो बाग़-बग़ीचा भी देख आया हूं।"

"तू बाग़-बग़ीचा देख आया, मुझे क्यों नहीं बताया?" माया ने उलाहना भरा।

"अब हर बात के लिए तुझे साथ लेता रहूं?" जोगिंदर ने अंगोछे से मुंह पोंछा और तंबाकू की पीक निगलता बोला, "बाबूजी ने बहुत बड़ा फ़ार्म हाउस बनवाया है। अब अगले महीने वहीं काम करना है। बाबूजी ने यह भी बोला है, काम अच्छी तरह से किया, तो यहीं पर परमानेंट कर देंगे। छह महीने बाद पगार भी बढ़ा देंगे और रहने को पक्की छत वाला एक कमरा भी बनवा देंगे।" माया को तो यक़ीन ही न आया। बोली, "एक बार पहले भी बाबूजी ने बाग़-बग़ीचे में काम दिया था, तब पाली तीन बरस का था।" एकाएक माया का चेहरा खिल-सा आया। हंसते हुई बोली, "पाली के बचपन के साल तो वहीं निकले थे।"

"याद है कैसे भाग-भागकर तितलियां पकड़ा करता था।"

जोगिंदर भी मुस्कुरा दिया, "हां, याद है मुझे। पर तुझे यह भी याद है, हर रोज़ वह दो-चार तितलियां अपनी स्कूल की कॉपी-किताबों के बीच दबा दिया करता था।"

"मैं कैसे भूल सकती हूँ।" माया उदास होती बोली, "उसकी मैडम ने ही बताया था। मुई कहती थी, तुम्हारा बेटा बड़ा होकर 'क्रिमिनल' बनेगा। उस वक्त मुझे इस शब्द का क्या पता था। मैंने सोचा, कोई अच्छी बात कह रही होगी, लेकिन जब बाद में पाली ने इसका मतलब बताया तो मैंने उसे चांटा लगा दिया था। अरे, पहले बताया होता, तो मैं उस मुई का मुंह नोच लेती।"

"हां!"जोगिंदर भी आक्रोश से भर आया था। मुट्ठियां भींचता बोला, "तभी तो हमने पाली को उस स्कूल से निकाल लिया था। अब देख, सरकारी स्कूल में ही सही, पास तो होता चला आया है। बुरा समय तो बीत गया। छह महीने बाद पाली दस पास कर लेगा, और बाबूजी के बग़ीचे में हमारी नौकरी भी पक्की हो जाएगी।" जोगिंदर की बात पर माया ने चेहरा आसमान की ओर उठाते हुए दोनों हाथ जोड़ दिए, और मन ही मन ईश्वर का धन्यवाद करने लगी।

इस नई जगह पर माया की आंखें तो फटी-सी रह गईं। इतना बड़ा फ़ार्महाउस, ढेर सारे पेड़-पौधे तो पहले से भले लग रहे हैं। अब उसे क्या करना है, माया सोचने लगी। जोगिंदर ने उसका चेहरा पढ़ लिया। बोला, "हरी घास भी तभी अच्छी लगे, अगर वह मखमल जैसी हो। मैं घास में पानी लगाने जा रहा हूं, तू तब तक झाड़ू से सूखे पत्ते बुहार ले। सूरज को कहीं भी छोड़ दे, भागता-फिरता रहेगा। यहां किसी बात का डर नहीं, इतना बड़ा तो मैदान है।"माया की समझ में कुछ-कुछ आने लगा था। जोगिंदर ने बताया था कि बाबूजी दिन में दो-तीन बार आ सकते हैं। हमें काम करते देख ख़ुश हो जाएंगे। जोगिंदर की बात तो सच्ची है, माया ने सोचा, इतनी बड़ी जगह है, कहीं न कहीं तो वह बुहारती रहेगी। बाक़ी आगे का तो बाबूजी आकर बताएंगे ही। सूरज का तो ख़ूब मन लग रहा बस, इधर-उधर दौड़ता रहा और आखिर में माया के पास आकर बोला, "मैं कुछ लाया हूँ....दिखाऊं क्या?"

"क्या लाया है, दिखा तो।" माया तो कभी सोच ही न पाती कि वह क्या लाया है। सूरज ने मुट्ठी खोली तो माया अवाक, "हे राम! तू भी तितली पकड़कर ले आया। अरे, क्या ज़रूरत थी। देख तो, बेचारी कैसे तड़प रही है।" माया ने झट से तितली को अपने हाथों में लिया और गुलाब के बड़े से फूल के ऊपर रख दिया। सूरज की हथेली अपने दुपट्टे से पोंछती बोली, "तितलियां देखने के लिए होती हैं। पकड़ने के लिए नहीं।"

अब तक जोगिंदर पास आ गया था। माया की पीठ पीछे खड़ा सारा तमाशा देख रहा था। तपाक से माया के सामने आकर खड़ा हो गया और कमर पर दोनों हाथ रखता बोला, "कैसी बात करती है री तू! तितलियां पकड़ने के लिए ही होती हैं। वो तो हमारे हाथ आ नहीं पातीं, इसलिए हम ऐसा कह देते हैं।"

"बस-बस, बाप-बेटे मिलकर तितलियां पकड़ते रहो।" पाली स्कूल से आ गया था। जोगिंदर ने उसे समझा दिया था कि स्कूल के बाद सीधे बाबूजी के फार्म हाउस में आ जाएगा।

माया नाराज़ होती बोली थी, "बच्चा है, इतनी दूर अकेले कैसे पहुंचेगा।"

"अरे, अब यह बच्चा नहीं रहा। मैंने इसे दो बार रीगल सिनेमा में घुसते देखा है। स्कूल के बाद दोस्तों के साथ वहां नई फिल्म के पोस्टर देखने जाता है।"

पाली झेंप-सा गया। कैसे उसके बाप ने उसकी चोरी पकड़ ली। रीगल तक का रास्ता तो उसे पता था, आगे का रास्ता जोगिंदर ने समझा दिया।

पाली अवाक रह गया। सिर से पांव तक कांप गया। बड़ा आदमी बनने के लिए वह तितलियां पकड़ने का बहाना कर लोगों से लूटमार किया करता है। आज के घने कोहरे में कहीं बापू की गर्दन पर उसकी उंगलियों के निशान तो नहीं पड़ गए ?

जोगिंदर उसे समझा रहा था और पाली मन ही मन मुस्कुरा रहा था।

"देख रे, कितना सुंदर फार्म हाउस।" जोगिंदर अपनी ख़ुशी ज़ाहिर कर पाली को भी ख़ुश देखना चाहता था। पाली ने तो सीधे से मुंह बिचका दिया, "यह कौनसा अपना है।"

"अरे, कैसी बात करता है तू। ऐसी चीज़ तो बड़े लोगों की होती हैं। हम बड़े लोग नहीं है रे।" जोगिंदर बुझी आंखों से पाली के चेहरे की ओर देखने लगा तो पाली एकाएक बोल उठा, "मैं तुम्हें बड़ा आदमी बनकर दिखाऊंगा।" कहते हुए पाली वहां से भाग गया और सूरज के साथ-साथ वह भी तितलियों के पीछे दौड़ने लगा। माया तो उसे यूं दौड़ते देखा हंस-हंसकर पागल-सी हो आई, "इतना बड़ा हो गया यह, तितलियां पकड़ने से बाज़ नहीं आया।"

दिन, सप्ताह, महीने गुज़र गए। इधर पाली के इम्तिहान ख़त्म हुए, उधर बाबूजी ने जोगिंदर की पक्की नौकरी का एलान कर दिया। पगार भी बढ़ा दिया और अगले छह महीने के अंदर उनके लिए पक्की छत बनवा देने का भी वादा किया। जोगिंदर और माया ख़ुशी से फूले नहीं समा रहे थे। शाम को जोगिंदर और माया सामान समेट रहे थे तो बाबूजी आ गए। जोगिंदर कुछ अदब से खड़ा हो गया तो बाबूजी बोले, "तुम जा रहे हो क्या?" "हां साहब, पांच बज रहे हैं, कोई हुकुम हो तो कहिएगा।" बाबूजी माया की ओर देखते बोले, "शाम को मेरे कुछ मेहमान आ रहे हैं। जोगिंदर थोड़ी देर रुक जाएगा, तुम अकेली जा सकती हो।" "कोई दिक्क़त नहीं साब।" जोगिंदर और माया के मुंह से एकसाथ ये शब्द निकले तो बाबूजी मुस्कुरा दिए। माया के चलते-चलते जोगिंदर ने उसे पचास का नोट पकड़ा बच्चों के लिए कुछ मीठा लेती जाने को कहा। "मैं तो रोटी-पानी ख़ाकर ही आऊंगा। तुम बच्चों को खिला देना, ख़ुद भी खा लेना।" जोगिंदर की जुबान से क्या-क्या शब्द फूट रहे थे, माया मन ही मन फूली न समा रही थी।

माया घर पहुंची तो पाली बाहर को निकल रहा था। उसे रोकती हुई माया बोली, "तू कहां जा रहा है रे?" "मैं!" पाली की जुबान लड़खड़ा-सी आई, "मैं तितलियां पकड़ने जा रहा हूँ।"

"इस वक्त कौनसी तितलियां उड़ती हैं रे?"

"आजकल तो तितलियां रात में भी उड़ती हैं, मां।" पाली कहता हुआ भाग गया। माया देर तक हंसती रही, कैसा बावला हो गया है। कहता है, आजकल रात को भी तितलियां उड़ती हैं।

माया रसोई में आकर दाल-भात बनाने लगी। दाल-भात बनाने में कौन-सी देर लगी। एक घंटे में सारा भोजन तैयार। पाली आ जाए तो उसे गरमा-गरम परोस देगी। बाद में मिठाई का डिब्बा खोलेगी। देखो, कैसे उछल पड़ेगा।

जोगिंदर पगार भी लाएगा, और बाबूजी कह रहे थे, कुछ बड़े-बड़े लोग आ रहे हैं। फिर तो बख़्शीश भी अच्छी मिल जाएगी। नौ बज रहे हैं। पाली अभी तक न आया। बाहर ठंड और कोहरा भी ख़ूब पड़ने लगा है। कहीं बीमार हो गया तो जोगिंदर तो उसे ही डांटेगा। माया बार-बार दरवाज़े की ओर जा रही थी। लो, पाली आ गया। कुंडी तो ऐसे खड़का रहा है, जैसे तोड़ ही डालेगा। "अरे, आ रही हूं ना। क्या दरवाज़ा तोड़ने का इरादा है?"

माया ने दरवाज़ा खोला तो एक लंबी चीख़ उसके मुंह से निकल गई। चार-छह लोग जोगिंदर को पकड़े बाहर खड़े थे। जोगिंदर की गर्दन से ख़ून टपक रहा था।

कोई एक आदमी बोला, "किसी ने इसकी गर्दन पर चाकू से रेत डाला है। हम इसे अस्पताल लेकर जा रहे हैं।"

माया छाती पर दोहत्थड़ मार फूट पड़ी, "हाय राम! किसने मार डाला मेरे आदमी को?"

गली-मोहल्ला इकट्ठा हो गया था। तभी भीड़ को चीरता हुआ पाली आगे आया तो माया चिल्ला पड़ी, "अरे तू तितलियां पकड़ता फिरता है, पकड़ना है तो उसे पकड़, जिसने तेरे बापू को मार डालने की कोशिश की।"

पाली अवाक रह गया। सिर से पांव तक कांप गया। बड़ा आदमी बनने के लिए वह तितलियां पकड़ने का बहाना कर लोगों से लूटमार किया करता है। आज के घने कोहरे में कहीं बापू की गर्दन पर उसकी उंगलियों के निशान तो नहीं पड़ गए? वह भीतर की ओर भागा और जेब में रखा बटुआ निकाल देखने लगा। अरे, यह तो बापू का ही बटुआ है। पाली ने झट से पैंट की पिछली जेब से चाकू निकाला। एक पल तो मन में आया, इस चाकू को अपने सीने में उतार दे। लेकिन अगले ही पल मन ही मन खुद को गाली देता हुआ उसने चाकू दराज़ के पीछे छुपा दिया। एक बार उसने दीवार से सर पटका, फिर बाहर की ओर लपकता हुआ चिल्लाया, "मैं अस्पताल जा रहा हूं मां!"

कविता | पं. कमल कांत भारद्वाज

फागुन : मेरे मन का उत्सव

फागुन की आई कोमल बेला,
चारों ओर खुशियों का मेला,
धरती ने हरियाली ओढ़ी,
जैसे मुस्कराता हो कोई अकेला।

बगिया में पंछी झूम रहे हैं,
डाल-डाल गीत सुनाते हैं,
हवा छूकर मन के तारों को
अनकहे भाव जगाते हैं।

अबीर-गुलाल हवा में घुलकर,
उल्लास का रंग बिखेर गए,
हँसी, ठिठोली, भीगे पल—
जीवन के सच सिखा गए।

अचानक बादल घिर आए,
फागुन में सावन उतर आया,
भीगी मिट्टी, भीगा मन,
हर बदलाव कुछ कह गया।

समझ लिया मैंने इन लम्हों में—
सौंदर्य बस दिखता नहीं,
प्रकृति से जुड़कर जीना ही
जीवन का सच्चा अर्थ सही।

कविता | मोनिका शर्मा

चेहरों के भी जुदा रंग

भाषा का भी एक ककहरा होता है
पर भावों का अपना औरा होता है

चेहरों के भी खूब जुदा होते हैं रंग
कुछ चेहरों का रंग सुनहरा होता है

कुछ पानी के भीतर गहरे दिखते हैं
कुछ के भीतर पानी गहरा होता है

कुछ के पैरों में भी घुंघरू बजते हैं
कुछ घुंघरूओं पर पहरा होता है

कुर्सी वाले तख़्त ओ ताज ले जाते हैं
कब मेहनत के सर पर सेहरा होता है

नदिया के भीतर भी नदिया बहती है
सहरा के भीतर इक सहरा होता है

कहीं बेटी कुल की लाज निभाती है
कहीं बेटा कुल का जहरा होता है

कुछ आँखों का पानी भी मर जाता है
कुछ आँखों का पानी ठहरा होता है।

कविता | वीणा अग्रवाल

ऋतुराज बसंत

चेहरे पर उल्लास हर्ष जन मन में छाया है
ऋतुओं का सरताज बसंत का मौसम आया है

सर्दी में जो ठिठुर रहे थे झोंपड़ पट्टी वाले
राम ही जाने ये निष्ठुर दिन कैसे रोज निकाले
फूल से कोमल बच्चों को अब आनंद आया है
ऋतुओं का ...

रंग बिरंगे पुष्पों की खुशबू से महकी क्यारी
जीव जंतु वन उपवन में अब सब पर चढ़ी खुमारी
सूरज दादा छिपा था जो अब सामने आया है
ऋतुओं का सरताज ...

पीली पीली सरसों अपनी मादकता बिखराए
हरित आम के पेड़ों पर कोयलिया गीत सुनाए
भ्रमर और तितली ने अपना राग सुनाया है
ऋतुओं का सरताज ...

ना गर्मी ना सर्दी,खुश होते है सब नर नारी
धरती मां खिल उठी,आज वह भूली पीड़ा सारी
धरती से अंबर तक कण कण मुसकाया है
ऋतुओं का सरताज ...

चेहरे पर उल्लास हर्ष जन मन में छाया है
ऋतुओं का सरताज बसंत का मौसम आया है।

सफलता पाने का शॉर्टकट...यस सर !

ज्यादातर लोग समझ ही नहीं पाते कि एक सामान्य 'नो सर' उनके करियर को असामान्य रूप से प्रभावित कर सकता है। उन्हें ये कला सीखने की ज़रूरत है कि किसी आदेश को मना 'यस सर' कह कर भी किया जा सकता है। यस सर कल का पैदा हुआ कोई नया जुमला नहीं है।

कल्पना कीजिए कोई बॉस किसी मीटिंग में कहता हो कि सफ़ेद कौआ होता है और उसका अधीनस्थ समर्थन में यस सर बोल दे। अधीनस्थ का क्या नुकसान हुआ? मगर उस बॉस की ख़ुशी का अंदाज़ा कोई नहीं लगा सकता। बॉस के झूठ का समर्थन कर उसने भविष्य की कितनी ही छुट्टियां आज ही अप्रूव करवा लीं, हाजिरी लगा के घूमने जाने की अनेक अनुमति प्राप्त कर लीं। ऐसे अधीनस्थ अपने बॉस को न केवल अपने सगे-संबंधियों से ज्यादा प्रिय होते हैं, बल्कि कुछ मामलों में प्रातः स्मरणीय भी हो जाते हैं।

व्यंग्य

विनीत पांडेय

यस सर ..! यह सिर्फ दो शब्दों की स्वीकारोक्ति नहीं है, यह मंत्र है । मंत्र क्या महामंत्र है, आप इस मंत्र की शक्ति का अंदाज़ा भी नहीं लगा सकते । इसका प्रयोग सुपर बैड होते हुए भी आपको अपने बॉस के गुड बुक में रख सकता है। अव्वल दर्जे के कामचोर को भी सर्वाधिक काम का आदमी साबित कर सकता है। नौकरी हो या बिजनेस, जिसे ये बात समझ आ गयी कि उसका बॉस असंभव काम के निर्देश पर भी 'यस सर' सुन कर रोमांचित हो उठता है, उसकी तरक्की कोई नहीं रोक सकता।

यस सर को दरअसल, अकड़ के साथ तेल का कनस्तर उलट के मालिश करने का दर्जा उसी तरह मिला हुआ है, जैसे किसी संस्था का अध्यक्ष बनने पर राज्य मंत्री का दर्जा मिल जाता है। हालांकि ये भी मिलता यस सर की ही बदौलत है । एक अनुभवी यस सर वाचक ने बताया कि यस सर जिंदगी के हां और नहीं के बीच शॉर्टकट से सीधे लक्ष्य तक पहुंचने की वो पगडण्डी है जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

ज्यादातर लोग समझ ही नहीं पाते कि एक सामान्य 'नो सर' उनके करियर को असामान्य रूप से प्रभावित कर सकता है। उन्हें ये कला सीखने की ज़रुरत है कि किसी आदेश को मना 'यस सर' कह कर भी किया जा सकता है। यस सर कल का पैदा हुआ कोई नया जुमला नहीं है। सैकड़ों साल पहले भी जी महाराज और जी हुज़ूर का अस्तित्व रहा है। अंग्रेजों के आने के बाद यस सर ने जितनी तेज़ी से अपनी जगह बनाई, उससे सिद्ध होता है कि यह दुनियाभर में इतनी ही लोकप्रियता के साथ विद्यमान रहा है। यस सर कहने वाले को हमेशा अपने वरिष्ठों के अगल-बगल रहने का विशेषाधिकार प्राप्त होता है, जिसकी वजह से अकेले में भी उसका भौकाल बना रहता है। दुनिया में यस सर जैसा दूसरा कुछ भी नहीं है, यह एक साथ सबको संतुष्ट कर देता है। कितना अद्भुत जुमला है जिसे बोलने वाला भी खुश और सुनने वाला भी जबकि वो जिस चीज़ के लिए बोला-सुना जा रहा है, वो होने वाला नहीं है, ये बात दोनों जानते हैं। बॉस को पता होता है कि कौन सा यस सर हामी है और कौन सा अस्वीकृति, पर सुनना उसे यस सर ही होता है।

कारण भी स्पष्ट है, बॉस अपने तब के बॉस को यस सर कह कर बॉस बना है और अब के बॉस को यस सर कह कर बॉस बना हुआ है। कर्णप्रिय होना इस जुमले की असली ताकत है, इसका लगातार प्रयोग बॉस को हमेशा सही होने के भ्रम में बनाए रखता है। यस सर कहने वाले तो रिटायर हो जाते हैं पर यस सर रिटायर नहीं होता। ये वो विरासत है जिसे आने वाला समझदार व्यक्ति जाने वाले अनुभवी व्यक्ति से ग्रहण करता है और इसका सुख भोगता है। जग के सकल पदार्थ भले कर्महीन नर को प्राप्त नहीं होते पर आराम से जीवन व्यतीत करने के लिए आवश्यक वातावरण यस सर कहने वाला प्राप्त कर लेता है। इस महामंत्र का जाप करने वाला नौकरशाही के नुकीले दांतों के बीच जीभ की तरह रसास्वादन करने में सिद्ध हो जाता है। यस सर की घिसावट में प्रवीण व्यक्ति के लिए, सिस्टम अलादीन के चिराग से कम नहीं। वो इसे घिस कर ऑफिस में फाइलों पर कलम घिसने वाले अपने समकक्षों से उड़ने वाली कालीन पर बैठ कर आगे निकल जाता है।

कल्पना कीजिए कोई बॉस किसी मीटिंग में कहता हो कि सफ़ेद कौआ होता है और उसका अधीनस्थ समर्थन में यस सर बोल दे। अधीनस्थ का क्या नुकसान हुआ? मगर उस बॉस की ख़ुशी का अंदाज़ा कोई नहीं लगा सकता। बॉस के झूठ का समर्थन कर उसने भविष्य की कितनी ही छुट्टियां आज ही अप्रूव करवा लीं, हाजिरी लगा के घूमने जाने की अनेक अनुमति प्राप्त कर लीं। ऐसे अधीनस्थ अपने बॉस को न केवल अपने सगे संबंधियों से ज्यादा प्रिय होते हैं बल्कि कुछ मामलों में प्रातः स्मरणीय भी हो जाते हैं। सुबह-सुबह देश दुनिया की ख़बरों से ले कर ऑफिस के कामकाज तक के लिए पहला फोन ऐसे ही अधीनस्थों के पास जाता है। इसमें कोई बुराई नहीं, नौकरी में बॉस के झूठ का विरोध कर टारगेट पर आने की बजाए समर्थन कर लाभ हासिल करना ही असली आर्ट ऑफ़ लिविंग है। यदि एक यस सर कह कर आपके चेहरे पर मुस्कराहट बनी रह सकती है, बिना किसी योग-दवाई के आपका चित्त प्रसन्न रह सकता है तो खामखा उसूलों की निंद्रा भंग क्यों करना। बात अगर वाकई उसूलों पे आंच आए तो टकराना ज़रूरी है, टाइप हो जाए तो मिठाई की कीमत बढ़ाने वाले वर्क की तरह, इस सार्वभौमिक उसूल की परत मूल उसूल पर चढ़ा देनी चाहिए कि जिसकी खाओ, उसकी गाओ। सही गलत के लफड़े में उलझना ही क्यों? यस सर बोलो और छुट्टी पाओ ।

हो डगर कितनी भी कठिन, हार मत स्वीकार कर...

पुस्तक : हार मत स्वीकार कर
कवि : अश्वनी कुमार
मूल्य : 199 रुपये
प्रकाशक : कनुप्रिया पब्लिशर्स, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा | डॉ. विजेंद्र कुमार

बहुमुखी प्रतिभा के धनी, मृदुभाषी कवि अश्वनी कुमार की काव्य कृति 'हार मत स्वीकार कर' में 92 गीतिकाएं संगृहीत हैं। यह काव्य कृति भारतीय संस्कृति के शाश्वत एवं उज्ज्वल उद्घोष का शंखनाद प्रतीत होती है कि अपनी शब्द तूलिका से कवि विविध रंगी बिंब विधानों का सृजन करता है। कृति में परमात्मा के प्रति अटूट आस्था, माता-पिता का समादर, सहअस्तित्व एवं सदाचार, करुणा, प्रेम, दया आदि उदात्त भावों को मानव-जीवन का असली लक्ष्य प्रतिपादित किया गया है। व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के उत्थान का दर्द उनकी रचनाधर्मिता के केन्द्र में है। माता-पिता को समर्पित एक गीतिका में कवि कहता है;

जीवन सृजन करते भले, भगवान हो लेकिन/
लेता तुम्हारी कोख में आकार है अम्मा!

पिता के महत्व को कवि इस प्रकार रेखांकित करता है :

उठाते थे अकेले बोझ, वो परिवार का अपने।
नहीं अपना सलीके से, उठा सामान पाए हम।।

जीवन के कटुयथार्थ तथा आपादाओं से निरन्तर संघर्ष करते रहना ही मानव का धर्म है, उसे संकट या विपत्ति से कभी भी हार नहीं माननी चाहिए :-

मुश्किलों के साधने का नाम ही है जिंदगी।
डर गया जो देख के हालात, वो इंसान क्या?

जीवन में सकारात्मकता और विश्वास के महत्त्व का प्रतिपादन करते हुए वे असफलता व निराशा का जीवन में त्याग करने का अह्वान करते हुए कहते है:-

रात बीती को भूला अब भोर से तू प्यार कर।
कर नई शुरूआत प्यारे, हार मत स्वीकार कर।।

आपसी प्रेम व भाईचारे की सघन हरियाली से सरोबार गांव की बदली हुई दशा से कवि दुखी है। जिस तरह गांवों में भी छल, कपट व द्वेष फैल गए हैं, उसी तरह गांवों में वृक्षों की कटाई भी पर्यावरणीय असंतुलन का कारण है :-

सुख घना था, नीम की जो ठांव में।
अब नहीं मिलता मजा वह गांव में।।
दरक गई है आज हवेली, कड़ियां छत की टूट रही।
संबंधों की नींव समाई, रार कपट-चतुराई में।।

प्रेम और सद्भाव ही मानव सभ्यता का सार तत्व है। मानव सभ्यता जितनी इन दोनों से दूर होती जायेगी उतनी ही वह विनाश और पतन के करीब होती चली जायेगी। इसीलिए कवि आह्वान करता है :-

बांसुरी जिसकी जगाए, प्रेम मन में आस्था।
पूज्य वो रसखान सा, चितचोर ढूंढों साथियों।।

अश्वनी की भाषा सहज, स्वाभाविक और लखनऊ का मिठास लिए है। सीधे दिल को छूने वाली इन कविताओं में कहीं पांडित्य प्रदर्शन की लालसा नहीं है। अभिव्यक्ति की सहजता, कथ्य की ईमानदारी और मानवतावादी दृष्टिकोण इस कृति के विशेष आकर्षण है। हमारी युवा पीढ़ी की प्रेरणा के लिए यह एक सफल कृति सिद्ध होगी। इस सार्थक कृति के लिए कवि अश्वनी कुमार को साधुवाद।

खबर संक्षेप

प्रभात फेरी में गूंजे राधे राधे के जयकारे

नारनौल। नगर की प्रसिद्ध सामाजिक एवं धार्मिक संस्था राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को फाल्गुन मास की पावन पंचमी के अवसर पर 162वीं प्रभात फेरी का भव्य व भक्तिमय आयोजन तेजाराम भगत मोहल्ला कायस्थवाड़ा से किया गया। इस अवसर पर यजमान सुभाष भगत ने परिवार सहित उपस्थित होकर सभी भक्तों को चंदन तिलक लगाकर कार्यक्रम का मंगलारंभ कराया। सैकड़ों की संख्या में बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, पुरुष व युवा श्रद्धालु ढोल नगाड़ों की मधुर थाप पर राधे-राधे का गुणगान किया। प्रभात फेरी यजमान निवास से प्रारंभ होकर सूर्यनारायण मंदिर की परिक्रमा करते हुए पुनः प्रारंभ स्थल पर संपन्न हुई। इसी कड़ी में संगठन के तत्वावधान में जिंदल परिवार की ओर से 23 फरवरी को प्रातः 8:30 बजे कुटुंब पैलेस से श्रीश्याम निशान यात्रा निकाली जाएगी।

राठ स्कूल के छात्रों ने जेईई मेन्स में रचा इतिहास

रेवाड़ी। राठ विद्यालय के छात्रों ने एनटीए की ओर से घोषित जेईई मेन्स परिणाम में अपनी सफलता का परचम लहराया है। राठ ग्रुप डायरेक्टर शिवानी यादव ने बताया कि छात्र यश यादव ने 99.99 पर्सेंटाइल, खनिका ने 99.8, लक्ष्य ने 99.7, प्रथम यादव ने 99.4, पार्थ ने 99.2, आदित्य- ने 99.1, प्रनील ने 99.1, ईशीत ने 99, तरुण यादव ने 98.8, उमेश ने 98.4, दीपांशु ने 98.1, विनीत शर्मा ने 98.07, सागरराज ने 98.04, अंकुर ने 97.8, दक्ष ने 97.5, रोहित यादव ने 97.3, अर्चना ने 97.2, हर्ष ने 96.3, लक्ष्य ने 96.3, ध्रुव अग्रवाल ने 96.24, गौरव ने 96.2, भवी यादव ने 96, नकुल ने 96, हर्षवर्धन सोनी ने 95.7, इशांत भारद्वाज ने 95.7, सहयोग यादव ने 95.3 तथा प्रिया यादव ने 94.2 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त किए। 68 विद्यार्थियों ने 80 पर्सेंटाइल से ज्यादा अंक प्राप्त करके अपने माता पिता, अध्यापकों और विद्यालय का नाम रोशन किया।

10 .98 करोड़ की लागत से पाली में पूरा हुआ मेगा भूजल रीचार्ज प्रोजेक्ट

- सांसद के दखल के बाद सिंचाई विभाग ने दोहान की ली सुध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

सिंचाई विभाग की तरफ से गांव पाली में भूजल रीचार्ज के एक मेगा प्रोजेक्ट का कार्य पूरा हो गया है। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि गांव पाली स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के अधीन क्षेत्र में से दोहान नदी का पाट है। इस हिस्से में नहर का अतिरिक्त पानी छोड़ा जाता था। इस हिस्से को लगभग दो साल पहले कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से दिवार खींचकर बंद कर दिया गया था। इस विषय को लेकर दो वर्ष पहले दिल्ली स्थित निवास पर सांसद धर्मबीर सिंह से मुलाकात की थी तथा दोहान के इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने की मांग की थी। साथ ही ये भी निवेदन किया था कि बड़ी नहर महेंद्रगढ़ कैनाल के पाथेड़ा स्थित पंप हाउस

आधा दर्जन गांवों के किसानों को होगा लाभ

महेंद्रगढ़। मेगा रीचार्ज प्रोजेक्ट का सरपंच देशराज फौजी के साथ अवलोकन करते हुए।

नंबर 5 के आगे से बरसात का समय में नदी के इस क्षेत्र में बड़ी पाइप लाइन के माध्यम से सीधा पानी छोड़ा जाए। सांसद धर्मबीर सिंह ने तत्कालीन प्रमुख अभियंता डॉ. सतबीर कादियान को इस बारे निर्देश देकर इस कार्य को जल्द-से-जल्द पूरा करने बारे निर्देश दिए थे। बड़ी नहर से लगभग चार किलोमीटर की पांच फिट चौड़ी पाइप लाइन दबाकर अतिरिक्त पानी को सीधा नदी के इस क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। इससे ना सिर्फ नदी क्षेत्र के आसपास वन्य-जीवों वनस्पति को लाभ होगा बल्कि भूजल स्तर में भी सीधा लाभ होगा। भूजल रीचार्ज से ना सिर्फ किसानों की पैदावार बढ़ेगी बल्की लागत भी घटेगी। संदीप मालड़ा ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार किसान की पैदावार बढ़ाने तथा लागत घटाने के अनेक कदम उठा रही है। इस प्रकार के मेगा रीचार्ज प्रोजेक्ट भी उसी दिशा में एक अहम कदम है।

किसानों को लाभ

गांव पाली, लावन, मालड़ा सराय, मालड़ा बास, बवाना सहित आधा दर्जन गांवों के किसानों को होगा लाभ होगा। इसके अलावा बरसात में 100 दिन लगातार पानी चलेगा। अगले चरण में गांव भुरजट तक ले जाने का है प्लान।

ये है मामला

प्रोजेक्ट की कुल लागत -10.99 करोड़।
इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत नदी क्षेत्र में लगभग 2.5 किलीमीटर कच्चा नाला खोदा गया है।
नदी क्षेत्र में 200 बाई 200 फिट के तीन कच्चे जोहड़ भी खोदे गए हैं।
बड़ी नहर से पांच फिट चौड़ाई की लगभग चार किलीमीटर की पाइप लाइन बिछाई गई है।

शिक्षा, रोजगार व स्वास्थ्य के निजीकरण के खिलाफ कन्वेंशन आयोजित

दो को प्रदर्शन कर राष्ट्रपति व राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपने का प्रस्ताव पारित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राष्ट्रीय बौद्ध महासभा व सावित्रीबाई फुले ज्योतिबा फुले फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को अंबेडकर भवन मालवीय नगर में कन्वेंशन का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य मुद्दा शिक्षा, रोजगार व स्वास्थ्य का निजीकरण रहा। जनवादी धर्मनिरपेक्ष वैज्ञानिक शिक्षा लागू करने की मांग को लेकर आयोजित की गई कन्वेंशन का संचालन कामरेड सुभाष चंद एडवोकेट ने किया। अध्यक्षता कामरेड दलीप सिंह एडवोकेट सामाजिक कार्यकर्ता ने की।

इस अवसर पर कन्वेंशन में उपस्थित सभी वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान सरकार पूर्व सरकारों की भांति शिक्षा का निजीकरण कर रही है। लाखों विद्यालय शिक्षा की बजट के अभाव में बंद हो रहे हैं और अध्यापकों को अन्य कार्य में लगाकर शिक्षा को कमजोर वर्ग से वंचित कर रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य है कि लोगों के अंदर सही समझ पैदा ना हो सकें। आज मंदिरों में सोना की परत चढ़ा कर उनको सजा रहा हैं, लेकिन दूसरी तरफ बच्चे बिन छत के नीचे बैठ कर पढ़ रहे हैं। हालात बहुत ही खराब है। जहां बिल्डिंग है, वहां अध्यापक नहीं है, जहां अध्यापक है वहां बिल्डिंग नहीं है और अध्यापकों को पढ़ाने के अलावा अन्य गैर शैक्षणिक कार्य करवाकर शिक्षा के स्तर को गिरा रहे है। वक्ताओं ने समय के हालात को देखते हुए आंदोलन तेज करने पर जोर दिया और कहा कि समाज के महापुरुषों ने कहा था कि शिक्षा सभी के लिए निःशुल्क, जनवादी, धर्मनिरपेक्ष व वैज्ञानिक होनी चाहिए, लेकिन आज सरकारें शिक्षा को गैर विज्ञानिक तरीके से पढ़ाने पर लगी हुई है। जिससे अंधविश्वास फैलेगा और अज्ञानता को बढ़ावा मिलेगा।

नारनौल। कन्वेंशन को संबोधित करते वक्ता तथा कन्वेंशन में मौजूद लोग। *फोटो : हरिभूमि*

निजीकरण के खिलाफ आंदोलन का आह्वान

इस अवसर पर तमाम वक्ताओं ने आंदोलन पर जोर दिया। कन्वेंशन में एक प्रस्ताव पारित किया गया कि दो मार्च को बाबा साहब अंबेडकर मूर्ति महेंद्रगढ़ रोड में एक दिवसीय धरना व प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद राष्ट्रपति व राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। सभी उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से दो मार्च के धरने का समर्थन किया। कन्वेंशन में कृष्ण कुमार, राष्ट्रीय बौद्ध महासभा के महासचिव रमेश कुमार, विरदी चन्द गोठवाल, ओमप्रकाश दायमा, सरजीत नंबरदार, जिलेसिंह, संजीव, आजाद, पूनम सिंह बौद्ध, जयनारायण मैनेजर, राजपाल गोरा, प्रकाश सिंह डालनवास, आशीष, अनिरुद्ध आदि ने जनवादी, धर्मनिरपेक्ष, वैज्ञानिक शिक्षा लागू करने पर जोर दिया। कन्वेंशन में श्रोताओं का धन्यवाद राष्ट्रीय बोध महासभा के प्रधान शेरसिंह ने किया। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य के निजीकरण के खिलाफ होने वाले आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

महेंद्रगढ़। परीक्षा देने आए विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

इंडस वैली स्कूल में बच्चों ने दी स्कॉलरशिप परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

इंडस वैली पब्लिक स्कूल दौंगड़ा अहीर में स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट आयोजित किया गया। प्राचार्य जयवीर यादव ने बताया कि इस परीक्षा में लगभग 2160 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि इतनी विशाल संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और संस्था के प्रति अभिभावकों के अटूट विश्वास को दर्शाती है। प्राचार्य ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय की शैक्षणिक, खेल एवं पाठ्यक्रम गतिविधियों में प्राप्त उत्कृष्ट उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षा परिणाम तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है। संस्था चेयरमैन धर्मेंद्र यादव ने कहा कि प्रतिभा को उचित मंच और प्रोत्साहन मिलना अत्यंत आवश्यक है। संस्था द्वारा योग्य एवं मेधावी विद्यार्थियों को शत-प्रतिशत तक छात्रवृत्ति प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया जाता है, ताकि कोई भी विद्यार्थी आर्थिक अभाव के कारण अपने लक्ष्य से वंचित न रह सके। वाइस चेयरमैन विजय सिंह यादव, निदेशक केसी यादव, उप-प्राचार्य वीर सिंह यादव उपस्थित रहे। परीक्षा के उपरांत सभी विद्यार्थियों को रिफ्रेशमेंट वितरित किया गया।

राव नेतराम स्कूल में हुई स्कॉलरशिप परीक्षा

नारनौल। राव नेतराम पब्लिक स्कूल सलीमपुर में रविवार को स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के 32 गांवों के विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण करवाया। प्राचार्या अनिता देवी ने बताया कि 32 गांवों के कुल 1134 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था। जिसमें से 957 विद्यार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया। परीक्षा कक्षा प्रथम से 10वीं व 11वीं तथा 12वीं के तीनों संकाय के लिए आयोजित की गई। परिणाम लगभग एक सप्ताह में घोषित कर दिया जाएगा। जिसके आधार पर चयनित विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप दी जाएगी। विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्होंने जीवन में सफल होने का आशीर्वाद दिया।

नारनौल। स्कॉलरशिप परीक्षा देने आए विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

आरपीएस स्कॉलरशिप परीक्षा में उमड़ा मेधावियों का सैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

आरपीएस विद्यालय में रविवार को वार्षिक स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा में किड्स से कक्षा 9वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। खास बात यह रही कि इस परीक्षा में केवल स्थानीय छात्र ही नहीं, बल्कि प्रदेश के अन्य जिलों और पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में परीक्षार्थी शामिल हुए।

प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बताया कि आरपीएस ग्रुप का उद्देश्य प्रतिभावान छात्रों की पहचान कर उन्हें तराशना है। इस स्कॉलरशिप परीक्षा के माध्यम से चयनित मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी प्रतिभा के आधार पर आगामी सत्र के दाखिले में विशेष छूट प्रदान की जाएगी, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन पढ़ाई में अव्वल छात्र भी विश्वस्तरीय शिक्षा प्राप्त कर सकें। आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि संस्थान उनके विश्वास की बदौलत ही आज इस मुकाम पर है। ग्रुप के सीईओ इंजी. मनीष राव ने कहा कि उनका लक्ष्य समाज के हर तबके के बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है ताकि वे देश-विदेश में अपना नाम रोशन कर सकें। वहीं, डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने कहा कि पहले इस क्षेत्र के बच्चों को अच्छी पढ़ाई के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन करना पड़ता था, लेकिन आज स्थितियां उलट गई हैं।

अब बाहरी क्षेत्रों के लोग महेंद्रगढ़ को शिक्षा के लिए पहली पसंद बना रहे हैं। उप प्राचार्य दिनेश कुमार, डीन एलएन गौड, विंग हेड देवेंद्र पूनिया, जिले सिंह, अमित कुमार, साक्षी मलिक, अनीता अहलावत, राजकुमार, राजसिंह आदि का विशेष सहयोग रहा।

महेंद्रगढ़। परीक्षा देने आए विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

नारनौल। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

सूरज स्कूल का मनाया वार्षिकोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सूरज स्कूल के प्राइमरी विभाग का वार्षिकोत्सव अनुगूंज हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय में कक्षा तीसरी से पांचवीं के विद्यार्थियों द्वारा वार्षिक समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि एवं विद्यालय के निदेशक संदीप प्रसाद, प्रधानाचार्या एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

समारोह की विशेष प्रस्तुति ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित प्रभावशाली नाटक रही, जिसने देशभक्ति, साहस और समर्पण का संदेश दिया। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने नारी सशक्तिकरण विषय पर प्रेरणादायक अभिनय प्रस्तुत कर समाज में महिलाओं की गरिमा, शक्ति और योगदान को सुंदर रूप में दर्शाया। सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हुए विद्यार्थियों ने रामायण और महाभारत पर आधारित आकर्षक नाट्य प्रस्तुतियां दीं, जिनमें उनके भावपूर्ण अभिनय और संवाद अदायगी ने दर्शकों का मन मोह लिया। अनेक रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियों ने समारोह की शोभा बढ़ाई और पूरे वातावरण को उल्लासमय बना दिया। निदेशक संदीप प्रसाद ने कहा कि ऐसे मंच बच्चों की छिपी प्रतिभाओं को निखारने का श्रेष्ठ अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, अनुशासन एवं परिश्रम की सराहना करते हुए शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग को भी विद्यालय की सफलता का आधार बताया। अंत में प्रधानाचार्या ने सभी प्रतिभागियों एवं शिक्षकों की प्रशंसा की और कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आरआरसीएम ग्रुप के 30 वर्ष पूरे होने पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

- विद्यार्थियों ने झांसी की रानी और आर्मी एक्ट जैसे भावपूर्ण नाटकों की प्रस्तुति दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

आरआरसीएम शैक्षणिक संस्थान ग्रुप ऑफ एजुकेशन ने अपनी स्थापना के 30 गौरवशाली वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वार्षिक महोत्सव धरोहर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नन्हे मुन्नों से लेकर विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार, अध्यक्षता चेयरमैन बाबूलाल यादव के द्वारा की गई।

विशिष्ट अतिथि मार्केट कमेटी अटेली के पूर्व चेयरमैन विकास यादव, मार्केट कमेटी अटेली चेयरमैन दिनेश जैलदार, यादव सभा के पूर्व प्रधान राव रामकुमार, कनीना ब्लॉक समिति चेयरमैन जय प्रकाश यादव, एलकेपीएस चेयरमैन पृथ्वी सिंह रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ अतिथियों ने संस्थान की आर्ट गैलरी का अवलोकन किया, जहां विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग और हस्तशिल्प की कलाकृतियों ने उनकी असीमित रचनात्मकता का परिचय दिया।

इसके साथ ही, स्कूल की अटल टिंकरिंग लैब के फीचर्स भी आकर्षण का केंद्र रहे, जहां छात्रों ने आधुनिक रोबोटिक्स और इनोवेटिव साइंस मॉडल्स के माध्यम से अपनी वैज्ञानिक सोच और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ हुआ। देशभक्ति के जज्बे को सलाम करते हुए विद्यार्थियों ने झांसी की रानी और आर्मी एक्ट जैसे भावपूर्ण नाटकों की प्रस्तुति दी। धरोहर उत्सव में राजस्थानी नृत्य, मराठी लावणी और हरियाणवी लोकगीतों ने भारत की सांस्कृतिक विविधता को बखूबी दर्शाया।

महिला सशक्तिकरण और मोबाइल फोन के दुष्प्रभाव जैसे विषय पर आधारित प्रस्तुतियों ने समाज को एक कड़ा संदेश दिया। संस्था चेयरमैन रोशन लाल यादव ने अतिथियों का स्वागत किया और संस्थान की 30 वर्षों की उपलब्धि का श्रेय अध्यापकों की मेहनत और अभिभावकों के विश्वास को दिया।

विद्या भारती स्कूल में हुआ स्कॉलरशिप टेस्ट

नारनौल। विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में रविवार को छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में 1062 विद्यार्थियों ने शिरकत की और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जो कि हरियाणा व निकटतम राजस्थान के गांवों से आए थे। परीक्षा-परिणाम 25 प्रातः 10 बजे घोषित किए जाएंगे। परीक्षा परिणाम हेतु मोबाइल नंबर 7404086300, 7496915614, 9467830908, 9138615608, 9138615603 पर संपर्क कर सकते है। वरियता प्राप्त छात्र/छात्राओं को विद्यालय की तरफ से उनकी ट्यूशन फीस में 100 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। परीक्षा समापन पर प्राचार्य विनोद यादव ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव, वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव, प्रबंधक निदेशक पीयूष यादव, निदेशक डॉ. रविन्द्रा यादव, प्राईमरी इंचार्ज विजय सोनी सहित समस्त स्कूल स्टाफ ने बच्चों को प्रोत्साहित किया।

नारनौल। स्कॉलरशिप टेस्ट देने आए विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

गुरु द्रोणाचार्य स्कूल प्रांगण में हिंदू धर्म सम्मेलन का आयोजन

हवन यज्ञ में आहुति देकर सनातन को अपना धर्म मानने का किया आह्वान

सामूहिक खेलकूद, योग व व्यायाम करने के अलावा डिजिटल उपवास को प्राथमिकता देना जरूरी

- सम्मेलन में पवन कुमार ने उपस्तिथ साधु संतों का स्वागत किया
- बच्चों को सशक्त अर्थव्यवस्था, मजबूत सैन्य शक्ति, देशभक्ति व शहीदों की जीवनी से अवगत करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

गुरु द्रोणाचार्य स्कूल ढाणी किरारोद के प्रांगण में रविवार को हिंदू धर्म सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कई लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। सम्मेलन में पवन कुमार ने उपस्तिथ साधु संतों का स्वागत किया। भारत माता की सेवा में पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया और हवन यज्ञ में आहुति देकर सनातन को अपना धर्म मानने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन अजय कुमार ने आस पास के लोगों से अपील की कि वे सनातन को बचाने के लिए आगे आए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिल सकें।

उन्होंने कहा कि सामूहिक खेलकूद, योग, व्यायाम करने के अलावा डिजिटल उपवास को प्राथमिकता देना जरूरी है। उन्होंने बच्चों को सशक्त अर्थव्यवस्था, मजबूत सैन्य शक्ति, देशभक्ति व शहीदों की जीवनी से अवगत करवाया। कार्यक्रम में गुरु द्रोणाचार्य स्कूल के चेयरमैन अजय कुमार, प्रिंसिपल नेतराम, कमल सिंह, अंकित, वाइस चेयरमैन कुलदीप, एमडी पूजन सैनी, घड़सीराम की पत्नी प्रेमलता, पुष्पा, मनोज, धर्मपाल, पूनम, मेवा देवी, सन्तोष, सरोज देवी, सुशीला, राधा, गीता, मूर्ति देवी, पूर्वी, लुविक, अनिरुद्ध, सुभाष, सुनीता, मोहिनी, सुनीरा, मदन, निरंजन, मैनपाल, रामावतार, सुगना, नरेश कुमार, अंकिता, कृष्ण कुमार, ममता, कल्पना, सोनिया, सरोज देवी, हेमन्त, रणजीत, सज्जन बाबा, मुकेश आदि उपस्थित थे। सम्मेलन के अंत में सभी प्रसाद वितरित किया गया।

नारनौल। हिंदू सम्मेलन के दौरान हवन करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

खबर संक्षेप

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति आवेदन के लिए 6 दिन शेष

नारनौल। हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार सत्र 2025-26 के लिए अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और विमुक्त जातियों के विद्यार्थियों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की आवेदन प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है। इस योजना के तहत अब तक अनुसूचित जाति के 549 व ओबीसी के 961 विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति की अनुशंसा की गई है। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने विद्यार्थियों से आह्वान किया है कि अब आवेदन के लिए बहुत कम समय बचा है और 28 फरवरी इसके लिए अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि पूरी व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से इस योजना को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर स्थानांतरित किया गया है। जहां सभी पात्र विद्यार्थियों को नए सिरे से अपना पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा।

अटेली क्षेत्र के गांवों में हुई प्रतिभा खोज परीक्षा

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव मोहनपुर, कटकई, गुजरवास, भोड़ी एवं कलवाड़ी की ओर से रविवार को प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की छुपी प्रतिभा को पहचानना और उन्हें सही दिशा प्रदान करना रहा। विद्यालय प्रबंधक अनिल प्रधान ने कहा कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई विशेष क्षमता होती है, जिसे उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर निखारा जा सकता है। कार्यक्रम संयोजक संदीप कुमार ने बताया कि रविवार को गांव मोहनपुर, कटकई, गुजरवास तथा भोड़ी में प्रतिभा खोज प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में चयनित बच्चों को कक्षावार आगमी 29 मार्च को विद्यालय में आयोजित होने वाले वार्षिकोत्सव में सम्मानित किया जाएगा।

सिसोठ में हुआ विराट हिंदू सम्मेलन

महेंद्रगढ़। माता भूरा भवानी मंदिर सिसोठ में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। संयोजक वेदप्रकाश आर्य ने बताया कि विराट हिंदू सम्मेलन सिसोठ को सफल बनाने के लिए हिंदू एकता के प्रचारक डॉ. नीरज कर्ण ने सतबीर माजरा कलां, अमित पालडी, पवन लावन, चरण सिंह भगडाना, मंदिर कमेटी प्रधान संदीप यादव, सचिव मा. अनिल सिसोठिया, परमजीत, रजनीश, ललित यादव, आनंद राजन, शिव कुमार, श्रीपाल उर्फ पप्पू, सूबे सिंह, जॉनी ने अपना सहयोग दिया।

भारत मंडपम में गूंजी प्रवक्ता सचिन कुमार की आवाज

कनीना। कनीना निवासी भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता सचिन कुमार को नई दिल्ली में आयोजित आरोग्य उत्सव एवं एक्सपो 2026 के भव्य उद्घाटन समारोह में मंच संचालन हेतु नामित किया जाना समूचे शिक्षा विभाग व क्षेत्र के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। विश्वविख्यात सम्मेलन केंद्र भारत मंडपम में आयोजित इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में देश विदेश की विशिष्ट हस्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं रेल मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. अरुण कुमार, डॉ. विपिन कुमार प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, डॉ. शिष्ठा नड्डा अध्यक्षा इंटरनेशनल हेल्थ काउंसिल, भारतीय योग संस्थान के अध्यक्ष देशराज गुप्ता उपस्थित रहे।

प्रशासनिक उदासीनता : शिकायतों के बावजूद नहीं हो रही कोई सुनवाई

सुविधाओं के बीच बेबसी, मंडी में बंद पड़ा है महिला शौचालय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। अटेली अनाज मंडी में महिला शौचालय पर लगा ताला व अनाज मंडी के मुख्य द्वार के सामने पड़ा कूड़े का ढेर। *फोटो : हरिभूमि*

जिले की प्रमुख कृषि मंडियों में शुमार अटेली अनाज मंडी इन दिनों अव्यवस्थाओं से घिरी हुई है। यहां महिलाओं और पुरुषों के लिए सुलभ शौचालय का निर्माण तो किया गया था, लेकिन विडंबना यह है कि महिला शौचालय पिछले कई वर्षों से बंद पड़ा है। परिणामस्वरूप मंडी में आने वाली महिलाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। महिला शौचालय के मुख्य द्वार पर ताला लटका हुआ है। लंबे समय से बंद पड़े रहने के कारण दरवाजा जर्जर हो चुका है और उसमें दीमक तक लग चुकी है। यह स्थिति न केवल प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाती है, बल्कि महिलाओं की बुनियादी जरूरतों की अनदेखी भी उजागर करती है।

मंडी क्षेत्र में कामकाज या खरीद-फरोख्त के सिलसिले में आने वाली महिलाओं को मजबूरी में खुले में शौच के लिए जाना पड़ रहा है, जो उनके सम्मान और सुरक्षा दोनों के लिए चिंता का विषय है। मंडी से लौट रही कई महिलाओं ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि शौचालय बंद होने से उन्हें अत्यधिक दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। कई बार घंटों इंतजार करना पड़ता है या फिर आसपास असुविधाजनक स्थानों का सहारा लेना पड़ता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही। अटेली अनाज मंडी में करीब 240 दुकानें संचालित हैं, जहां रोजाना सैकड़ों किसान व्यापारी और महिलाएं पहुंचती हैं। आगामी गेहूं और सरसों के सीजन को देखते हुए मंडी में आवाजाही और भी बढ़ने वाली है, लेकिन व्यवस्थाओं का हाल चिंताजनक बना हुआ है। मंडी के मुख्य द्वार के पास ही कूड़े के ढेर लगे हुए हैं, जबकि दीवारों पर साफ-साफ लिखा है कि यहां कूड़ा डालना मना है। यह दृश्य व्यवस्था और हकीकत के बीच के अंतर को साफ दर्शाता है। सिर्फ शौचालय ही नहीं, मंडी परिसर की सड़कों पर भी जगह-जगह कूड़ा फैला हुआ है। किसानों का कहना है कि फसल सीजन के दौरान मंडी में सफाई, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए, ताकि खरीद प्रक्रिया सुचारु रूप से चल सके। मुख्य द्वार पर 'नो पार्किंग' का पेंटिंग किया गया है, लेकिन वही स्थान वाहनों की पार्किंग में तब्दील हो चुका है। यह सब कुछ संबंधित अधिकारियों की जानकारी में होने के बावजूद कार्रवाई का अभाव कई सवाल खड़े करता है। किसानों और व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है कि महिला शौचालय को तुरंत खोला जाए। उसकी मरम्मत कराई जाए और मंडी में साफ-सफाई व अन्य मूलभूत सुविधाएं दुरुस्त की जाएं, ताकि महिलाओं सहित सभी आगंतुकों को सम्मान जनक और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

यह बोली सचिव

इस बारे में मार्केट कमेटी की सचिव सुनीता फोगाट से बात की तो उन्होंने बताया कि अभी फिलहाल मंडी में महिलाओं का आवागम नहीं होता है। अटेली के मुख्य द्वार पर जो गाड़ी पार्किंग करते हैं, उसके बारे में हमने अटेली पुलिस को लिखा हुआ है कि उनका चालान करें। मुख्य द्वार पर जो कूड़ा डालते हैं, उसके लिए भी हमने नगर पालिका को लिखा हुआ है। यह कूड़ा अनाज मंडी का नहीं है, जबकि बाहर दुकान वाले मुख्य द्वार के समीप डाल देते हैं।

नारनौल। बलिदान दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार।

धौलेड़ा में मनाया अहीर वीरों का बलिदान दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गांव धौलेड़ा में रविवार को अहीर रेजिमेंट संघर्ष समिति की ओर से करनाल शौर्य दिवस की स्मृति में परम बलिदानी राव बालकिशन सिंह और उनके रणबांकुरे अहीर वीरों के बलिदान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों तथा विभिन्न गांवों से आए समाज के लोगों ने भाग लेकर वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। संघर्ष समिति के सदस्य राव अजीत सिंह ने कहा कि वर्ष 1739 में वीर भूमि अहीरवाल के लगभग 5000 योद्धा राव बालकिशन सिंह के नेतृत्व में मातृभूमि की रक्षा करते हुए बलिदान हुए थे। उनके त्याग और शौर्य को याद रखने के लिए हर वर्ष अहीरवाल के अलग-अलग स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि इस बार गांव धौलेड़ा की सरदारी द्वारा आयोजन किया गया, जिसमें तीन मुख्य विषयों पर चर्चा हुई करनाल युद्ध के शौर्य को स्मरण कर वीरों को श्रद्धांजलि देना, गुणावल खाप के गठन के लिए पंचायत तथा अहीर रेजिमेंट के समर्थन में जन-जागरण अभियान किया। उन्होंने कहा कि खापें समाज की रीढ़ होती हैं और सामाजिक समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यदि पंचायत और सरदारी प्रेमपूर्वक बैठकर निर्णय लें तो समाज की अधिकांश समस्याओं का समाधान संभव है। उन्हें उम्मीद है कि अहीर रेजिमेंट की मांग को आगे बढ़ाने में भी खापों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। कार्यक्रम में सामाजिक सुधारों को लेकर भी कई निर्णय लिए गए।

आम समाज का बढ़ेगा समर्थन

रिटायर्ड जज राकेश यादव ने कहा कि खाप गठन का निर्णय अहीर रेजिमेंट आंदोलन को मजबूत करेगा और इससे आम समाज का समर्थन बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अहीर समुदाय का इतिहास वीरता और संघर्ष से भरा रहा है तथा अहीर रेजिमेंट की मांग उनका अधिकार है। कार्यक्रम का समापन वीरों को श्रद्धांजलि, समाजिक एकता के संकल्प और जयघोष के साथ हुआ।

यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

सुभाष स्टेडियम में युवाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। यातायात नियमों के बारे में जागरूक करती निरीक्षक मंजूषा।

सुभाष स्टेडियम में महिला पुलिस थाना टीम ने क्षेत्र के युवाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी का सही मार्गदर्शन करना, नशे के दुष्प्रभावों व सड़क दुर्घटनाओं के प्रति सतर्क कर एक जिम्मेदार नागरिक बनाना था। कार्यक्रम के दौरान महिला थाना पुलिस टीम ने सुभाष स्टेडियम में मौजूद युवाओं से सीधा संवाद किया। निरीक्षक मंजूषा ने युवाओं को नशे जैसी भयानक बुराई से दूर रहने की सख्त हिदायत दी और समझाया कि नशा न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नष्ट करता है, बल्कि उसके पूरे परिवार व उज्ज्वल भविष्य को भी अंधकार में धकेल देता है। युवाओं को प्रेरित किया गया कि वे अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाएं और खेलों में बढ़ चढ़कर भाग लें। पुलिस ने बताया कि नियमित रूप से खेलकूद से जुड़ने से न सिर्फ शरीर स्वस्थ व चुस्त दुरुस्त रहता है, बल्कि जीवन में अनुशासन भी आता है, जो किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बेहद जरूरी है। इसके अतिरिक्त उपस्थित युवाओं को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के लिए जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट का प्रयोग करने, तेज गति से वाहन न चलाने, स्टंट न करने और यातायात के सभी संकेतों का पालन करने पर विशेष जोर दिया। युवाओं को यह समझाया गया कि उनकी एक छोटी सी लापरवाही किसी के लिए भी जानलेवा साबित हो सकती है, इसलिए यातायात नियमों का पालन करना स्वयं की व दूसरों की सुरक्षा के लिए सर्वोपरि है।

रोड सेफ्टी नियमों की जानकारी दी

नारनौल। कुलताजपुर रोड स्थित निजी स्कूल में रोड सेफ्टी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें स्कूली विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों को रोड सेफ्टी नियमों के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें सड़क पर चलते समय जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। प्रतिभागियों ने सुरक्षित राइडिंग मार्गदर्शन, खतरा पूर्वानुमान प्रशिक्षण एवं खेल क्विज सत्र में भाग लिया। यह कार्यक्रम होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की ओर से आयोजित किया गया था। आयोजकों ने बताया कि सड़क सुरक्षा जागरूकता एचएमएसआई की देशभर में सुरक्षा शिक्षा को बढ़ावा देने की व्यापक रणनीति का एक अहम हिस्सा है। स्कूलों, कॉलेजों और विभिन्न संस्थानों के साथ सामुदायिक स्तर की गतिविधियों के माध्यम से सुरक्षित राइडिंग और ड्राइविंग व्यवहार को प्रोत्साहित करने वाली पहलों का लगातार समर्थन करती है।

अटेली में सुना प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात का 131वां एपिसोड

- प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का कार्यक्रम सुनते हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात का 131वां एपिसोड का लाइव कार्यक्रम अटेली अनाज मंडी में ग्रीवेंस कमेटी सदस्य एडवोकेट बबली यादव के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने बूथ संख्या 176 पर स्थित अपने आवास पर ध्यानपूर्वक सुना। प्रधानमंत्री के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को अटेली क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर सुना गया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने राष्ट्रपति भवन में लगी ब्रिटिश मूर्तियों के बारे में बात की। उन्होंने डिजिटल धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों और उनसे बचाव के तरीकों पर भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली में हुई एआई समिट में दुनियाभर से लोग शामिल हुए। उन्होंने एआई के क्षेत्र में भारत की क्षमताओं को बेहद करीब से देखा। पीएम मोदी ने आगे कहा कि विदेश से आए मेहमान यह देखकर हैरान रह गए कि कैसे एआई की मदद से हम प्राचीन ग्रंथों और प्राचीन इतिहास को संरक्षित कर रहे हैं। इस मौके पर ग्रीवेंस कमेटी सदस्य एडवोकेट बबली यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के इस कार्यक्रम में बहुत जानकारी मिलती है। देश में अनेक प्रतिभाएं छुपी हुई हैं, जिनको प्रधानमंत्री मोदी मन की बात के माध्यम से पूरे देश के लोगों के सामने रखा है। इस मौके पर महामंत्री इंद्रजीत यादव, प्रवीण कुमार, प्रमोद कुमार, नरेंद्र यादव संदीप के अलावा अन्य मौजूद थे।

कल से एक मार्च तक सजेगा लोक कला विरासत उत्सव

महेंद्रगढ़। उत्तर मध्य सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में यदुवंशी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के परीक्षा गृह में 23 फरवरी से एक मार्च तक प्रतिदिन प्रातः 11 बजे लोक कला विरासत उत्सव का आयोजन किया जाएगा। देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। उत्सव का शुभारंभ यदुवंशी ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह करेंगे। केंद्र के निदेशक सुरेश शर्मा, कोऑर्डिनेटर अनिल कौशिक, उपनिदेशक डॉ. मुकेश उपाध्याय आदि उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में गायन, लोकनृत्य, नाटक, कवि सम्मेलन, शास्त्रीय नृत्य और वाद्य यंत्रों की विविध प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी।

कार्यक्रम की रूपरेखा

23 फरवरी को पंडित प्रशांत व निशांत मलिक द्वारा ध्रुपद गायन की प्रस्तुति दी जाएगी। 24 फरवरी को प्रयागराज की स्वर्ग रंगमंडल द्वारा राजकुमार श्रीवास्तव लिखित एवं अतुल यदुवंशी निर्देशित नाटक बहुरूपिया का मंचन होगा। 25 फरवरी को हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड व मध्य प्रदेश के ख्यातिप्राप्त कलाकारों द्वारा लोकनृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। 26 फरवरी को मशहूर कव्वाल सलीम साबरी अपनी प्रस्तुति देंगे। 27 फरवरी को व्यूरियो रंगमंच जयपुर द्वारा पद्मश्री नरेंद्र कोहली लिखित नाटक फ्लर्ट का मंचन किया जाएगा। 28 फरवरी को विशाल कवि सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें देश के चुनिंदा कवि हास्य, ओज व समसामयिक रचनाएं प्रस्तुत करेंगे।

किस से करूं मैं मां की तुलना...

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। माता की चौकी में यजमान को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

टाइगर क्लब परिवार के तत्वावधान में शनिवार रात को माता रानी की चौकी कुलदीप सैनी के निवास स्थान पर मोहल्ला सुभाष नगर में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता टाइगर क्लब परिवार के सह सचिव प्रमोद सैनी, प्रधान राकेश यादव, नवीन वशिष्ठ ने संयुक्त रूप से की। माता रानी की चौकी के मुख्य यजमान कुलदीप सैनी सपत्नीक रहे। कार्यक्रम संयोजक नवीन वशिष्ठ, प्रवीण यादव, कुलदीप सैनी, सुनील शर्मा, श्रीचंद सैनी ने बताया कि माता की चौकी में सर्वप्रथम कार्यक्रम पुरोहित पंडित नारायण शास्त्री ने विधिवत पूजन करवाया। गणेश वंदना गायकार धारू व माता का आह्वान गायकर नवीन वशिष्ठ ने परमानंद वर्मा ने चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है, मैं परदेशी हूं पहली बार आया हूं, विकास जांगिड़ ने किस से करूं मैं मां की तुलना मां से बड़ा ना कोई, भवानी सैनी ने तू कितनी अच्छी है तू कितनी प्यारी प्यारी है, भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तजनों को भाव विभोर कर दिया। क्लब परिवार के कार्यक्रम संयोजक नवीन वशिष्ठ, प्रमोद सैनी, सुनील शर्मा, प्रवीण यादव, श्रीचंद सैनी, ललित सैनी ने कुलदीप सैनी व संपूर्ण परिवार को माता रानी का स्मृति चिह्न भेंट किया। मंच संचालन नवीन वशिष्ठ ने किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी भक्तजनों ने मिलकर आरती की। इस मौके पर कुलदीप सैनी, प्रमोद सैनी, नारायण शास्त्री, धारू, नवीन वशिष्ठ, जयप्रकाश आदि मौजूद थे।

शहर में निकाली 182वीं प्रभातफेरी

नारनौल। प्रभातफेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 182वीं श्रीश्याम निशान प्रभातफेरी मां चामुंडा देवी मंदिर से निकाली गई। फागुन मास के पावन अवसर पर आयोजित इस श्रीश्याम निशान प्रभात फेरी के यजमान नरेश कुमार, मनोज कुमार व प्रभातफेरी संगठन के सदस्यों ने पवित्र ज्योति प्रज्ज्वलित कर राधे राधे नाम का जाप किया। संगठन संचालक घनश्याम गर्ग ने बताया कि फागुन मास के अवसर पर श्रीश्याम निशान यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा मां चामुंडा देवी मंदिर से चलकर आजाद चौक, मानक चौक, पनीगंज, गौड़ सभा, बंसीसिंह पार्क, सिलाखाना, महता चौक, सुभाष स्टेडियम होते हुए श्रीश्याम मंदिर में श्रीश्याम प्रभु के चरणों में निशान अर्पण करने के पश्चात सम्पन्न हुई। श्रीश्याम मंदिर कमेटी चौकी नंबर 45 के प्रधान दौलतराम गर्ग व अजय ब्रिटानिया ने शोभा यात्रा का स्वागत किया। परिक्रमा मार्ग में जगह जगह पर लोगों ने घरों से बाहर निकलकर प्रभात फेरी का फूलों की वर्षा व ठाकुर जी की आरती कर दर्शन किए। संगठन के मिडिया प्रभारी सोमदेव शर्मा ने बताया कि प्रभात फेरी संगठन की ओर से एक मार्च को निकाले जाने वाली प्रभात फेरी के मुख्य यजमान महेंद्र अग्रवाल मोहल्ला गुरुनानकपुरा परिवार होगा।

कानूनी साक्षरता का मुख्य लक्ष्य लोगों को सशक्त बनानाः यादव

नारनौल। राजकीय माध्यमिक विद्यालय खटोटी खुर्द में आयोजित किए जा रहे राजकीय महाविद्यालय कृष्ण नगर के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन रविवार को विद्यार्थियों को कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया। शिविर के दूसरे दिन मुख्य वक्ता के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पैनल अधिवक्ता गिरिबला यादव ने शिरकत की। अधिवक्ता गिरिबला यादव ने कहा कि कानूनी साक्षरता का मुख्य लक्ष्य लोगों को सशक्त बनाना, शोषण रोकना और निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करना है। उन्होंने कानूनी साक्षरता व जागरूकता का उद्देश्य नागरिकों को उनके अधिकारों, कर्तव्यों और न्याय प्रणाली एफआईआर, गिरफ्तारी के नियम, 1098, 14567 हेल्पलाइन के प्रति जागरूक किया।

गोवंश के लिए लगाई सवामणी

नारनौल। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से गोसेवा मण्डल के तत्वावधान में रविवार को अनाथ गोशाला परिसर में ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने गोवंश के लिए सवामणी लगाई। कार्यक्रम मुख्य रूप से भोपाल निवासी संतोष शर्मा मौजूद रहे। विशिष्ठ अतिथि महेश शर्मा एडवोकेट थे। कार्यक्रम संयोजक नरोत्तम सोनी व भीमसेन शर्मा ने बताया कि गोशाला में उपस्थित सैकड़ों गोवंश को हरी सब्जियां खिलाई गई। ट्रस्ट के गोसेवा प्रकल्प से प्रेरित होकर संतोष शर्मा ने घोषणा की कि वे अब नियमित रूप से जीवन भर सेवा से जुड़े रहेंगे। कार्यक्रम में निवाजनगर की पूर्व सरपंच विमला देवी, राजकुमारी शर्मा ने भी सहभागिता की।

गुरु गोबिंद सिंह बस्ती में विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित

नारनौल। सकल हिन्दू समाज गुरु गोबिंद सिंह बस्ती नगर के तत्वावधान में भव्य विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष डॉ. हितेंद्र मित्तल ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी सामाजिक व्यवस्था, कुटुंब प्रबोधन, पंथ समन्वय, केंद्रित पुनर्निर्माण, प्रबुद्ध नागरिक कर्तव्य व संस्कार बोध जैसे विषयों पर समाज में जागरूकता व एकता को सुदृढ़ करना रहा। गांव शेखपुरा के माता शीतला मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र से अनेक संत महात्माओं, सामाजिक व्यक्तित्वों का सानिध्य प्राप्त हुआ।

आस्था | **भक्तों ने जगह-जगह जल शिविर व भंडारा लगाकर सेवा की**

जैतपुर धाम बना श्याम भक्तों की आस्था का केन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। जैतपुर मंदिर में पुलिस कर्मी को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

अटेली खंड के गांव गिरधरपुर व राता क्षेत्र से सटे राजस्थान के प्राचीन धर्म स्थल श्याम बाबा मंदिर जैतपुर धाम में आजकल फाल्गुन माह का मेला बड़े ही जोर शोर से आयोजित किया जा रहा है। यहां हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु नंगे पैर व पेट पलनियां श्याम के जयकारों के उद्घोष के साथ बाबा के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। मंदिर के पुजारी देशराज यादव ने बताया कि अबकी बार मुख्य मेला 22 फरवरी से 28 फरवरी तक भरेगा, जिसमें देशभर से लाखों श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर मन्नत मत्था टेक मांगते हैं। वर्तमान में जैतपुर धाम ने बड़ा धाम का रूप ले लिया है। भक्तों द्वारा जगह-जगह जल शिविर व भंडारा लगाकर भक्तों की सेवा की जा रही है। मेले में शांति व सुरक्षा व्यवस्था के लिए रहता है। बाबा श्याम का विशाल गेट बनवाया हुआ है, वहीं मेला में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की टीम अपनी सेवा देती है।

यह बोले प्रधान

गांव के सरपंच मोहित व श्री श्याम सेवा समिति प्रधान ताराचंद यादव ने बताया कि खाटू के बाद जैतपुर धाम श्याम भक्तों के लिए दूसरा सबसे बड़ा स्थान है। हर वर्ष मेले में भक्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। पिछले वर्ष लाखों की संख्या में भक्तों ने दर्शन किए थे, लेकिन हर बार अंदाजा लगाया जा रहा है कि पिछले से भी ज्यादा भक्तजनों ने बाबा के दर्शन किए हैं। गौरतलब की बात है प्रतिदिन श्याम बाबा का ताजा फूलों का श्रृंगार हवाई जहाज द्वार कोलकाता से आने पर होता है।